डाक का देर से पहुंचाया जाना

1549. **श्री चौधरी हरमोहन सिंह:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश के विभिन्न भागों में डाकियों द्वारा डाक देर से पहुंचाने के क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार ने ऐसे भागों में डाक देर से पहुंचाए जाने के लिए किसी अधिकारी/कर्मचारी को दोषी पाया है;

(ग) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान कितने लोगों को सरकार ने दोषी पाया है; और

(घ) सरकार ने इस मामले में क्या कार्रवाई की है?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम): (क) देश के विभिन्न भागों में पोस्टमैनों द्वारा आमतौर पर डाक समय पर वितरित की जाती है। तथापि, पोस्टमैनों द्वारा वितरण में देरी की यदा-कदा घटनाएं हुई हैं। जिन विभिन्न कारणों से डाक से वितरण में देरी होती है, वे निम्नानुसार हैं:-

(i) नगरों और शहरों के तेजी से हो रहे विस्तार के कारण पोस्टमैनों के वितरण क्षेत्र का विस्तार;

(ii) पिन कोड नम्बरों के बिना अधूरे पते;

(iii) नियमित पोस्टमैनों की अनुपस्थिति के परिणामस्वरूप स्टाफ की कमी;

(iv) डाक की एकमुश्त पोस्टिंग विशेषकर त्यौहारों जैसे नववर्ष की शुभकामनाएं/दिवाली या राखी की डाक;

(v) ऐसी कालोनियां, जिनके मकानों के नम्बर ठीक ढंग से आवंटित नहीं होते;

(vi) मानवीय असफलता।

(ख) और (ग) डाक का वितरण पोस्टमैनों, अतिरिक्त विभागीय वितरण एजेंटों और अतिरिक्त विभागीय शाखा पोस्टमास्टरों द्वारा किया जाता है। वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान ऐसे 385 कर्मचारियों को डाक वितरण में विलंब के लिए दोषी पाया गया।

(घ) (i) दोषी पाए गए कर्मचारियो सबंद्ध नियमों के अधीन उचित दण्ड दिया गया;

(ii) वितरण स्टाफ पर पर्यवेक्षण कार्य को मजबूत बनाया गया है;

(iii) वितरण स्टाफ के कार्य की नियमित मानीटरिंग की जाती है;

(vi) वितरण स्टाफ की पुन: तैनाती की जाती है;

(v) डाक के शीघ्र वितरण को सरल बनाने के लिए जनता की पोस्ट बॉक्स और पोस्ट बैग किराए पर लेने के लिए प्रत्साहित किया जाता है।

Parallel Market System for LPG

1550. SHRI B.S. DUTTA: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether certain malpractices have been crept into the parallel market system for LPG and kerosene since 1993;

(b) if so, the details thereof;

(c) what are the recommendations of Abrar Ahmed Committee Report on customer services; and

(d) whether these have been implemented; and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAP. SATISH SHARMA): (a) and (b) In February, 1993, Government allowed the private agencies to import and market kerosene and LPG by setting up/using their own infrastructure and distribution network at market determined prices under their own terms. Some reports have come to the notice of the Government about the malpractices by the parallel marketeers of kerosene and LPG. The State and Union Territory Governments have been advised to ban collection of deposits by parallel marketeers without their making adequate arrangements for supply of these products. Besides, they have also been advised to verify the genuineness, antecedents and capabilities of persons/agencies intending to take up activities under the parallel marketing system and to take appropriate action against persons who have been found indulging in fraudulent and unfair trade practices. Public have also been suitably advised and warned through press releases that they must find out the antecedents, genuineness and capabilities of concerned parallel marketeers before entering into any transaction with them. MRTP Commission also takes action against persons/firms/companies indulging in